# रोवर्स एवं रेंजर्स

# Rovers & Rangers

दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर–273 009

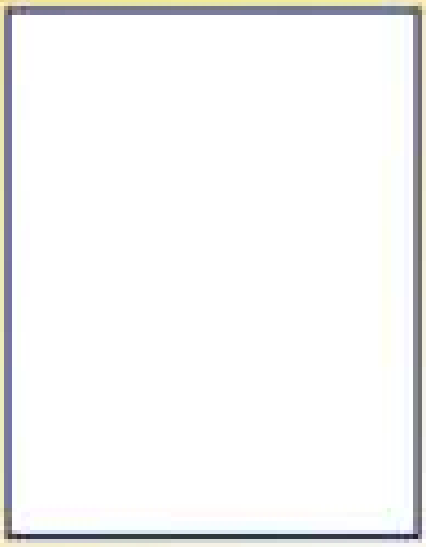

सत्र

ग्रू/टीम लीडर द्वारा सत्यापित

ग्रुप का नाम

तिथि .....

हस्ताक्षर अधिकारी

# वैयक्तिक विवरण

1. नाम .....
2. कक्षा .....
3. संकाय .....
4. परिचय पत्र संख्या .....
5. पिता/पति का नाम .....
6. माता का नाम .....
7. स्थानीय पता .....
   ..... दूरभाष/सेलफोन .....
8. स्थायी पता .....
   .....
9. रक्त ग्रुप .....
   ई-मेल .....

## शपथ

मैं शपथ लेता हूँ कि जाति, धर्म, क्षेत्र आदि का भेद किये बिना मैं राष्ट्र की सेवा करूँगा/करूँगी।

हस्ताक्षर रोवर्स/रेंजर्स

# कुलगीत

दिव्य सुन्दर परम पावन।
सकल विद्या केन्द्र तप-धन।।
नाथ गुरु गोरक्ष की यह साधना की भूमि,
संत-प्रवर कबीर की आराधना की भूमि,
दिव्य सुन्दर परम पावन।
सतोमय आनन्द चिद् धन।।
बुद्ध ने पाया महत्तम काम्य पद निर्वाण,
अमर बिस्मिल ने दिया निज देश हित बलिदान,
दिव्य सुन्दर परम पावन।
सिद्धियों का शुभ निकेतन।।
ज्ञान और विज्ञान का यह सतत् जाग्रत केन्द्र,
कला और साहित्य का यह चिर समादृत केन्द्र,
दिव्य सुन्दर परम पावन।
योग-क्षेम-समृद्ध नन्दन।।
अहर्निशि चलते यहाँ है अमृत ऋत सन्धान,
गुरुकुलों सा सदा कुलगुरु को मिलें सम्मान,
दिव्य सुन्दर परम पावन।
स्वर्ग संस्कृति का चिरंतन।।
सूर्य की पहली किरण देती इसे वरदान,
कर्म-कौशल का जगत में गूँजता मधुगान,
दिव्य सुन्दर परम पावन।
नमन सौ-सौ बार वन्दन।।

# सन्देश

अपने जीवन में एक रोवर (स्काउट) और रेंजर (गाइड) स्काउटिंग के प्रतिज्ञा, नियम और सिद्धान्त को आसानी से अपना लेते हैं, क्योंकि इनमें भारतीय संस्कृति के बीज परिलक्षित होते हैं। इनके मन की भावना, तन की कामना एवं यौवन की मांग, विनम्रता का बाना पहने साहस, वफादारी व विश्वसनीयता का रूप लेकर अनुशासन, प्रकृति के साथ प्रकृति का सौन्दर्यपान करता हुआ देश, जाति, सम्प्रदाय आदि के बन्धनों को नकारता हुआ, अपने जीवन में मितव्ययीता की पूंजी लेकर मनसा, वाचा, कर्मणा से शुचिता का प्रयास, उसके तन, मन व हृदय में एक ज्योति पुंज प्रज्जवलित कर देता है, जिससे वह जीवन भर के लिए स्काउट बन जाता है।

**प्रोफेसर विनय कुमार सिंह**

संयोजक

आचार्य, प्राणि विज्ञान विभाग

# आह्वान सहभागिता का !

"आज हमारे देश को आवश्यकता है लौह की माँसपेशियों और फौलाद के स्नायु तंत्र, ऐसी प्रचण्ड इच्छाशक्ति की जिसे संसार की कोई ताकत न रोक सके, जो समस्त विश्व के रहस्यों की गहराई में जाकर अपने उद्देश्यों को सभी प्रकार से प्राप्त कर सके। इस हेतु समुद्र के तल तक क्यों न जाना पड़े या मृत्यु का सामना क्यों न करना पड़े .....।"

विश्व की सारी समस्याएं सुलझाने की क्षमता युवाओं में है, ऐसा अदम्य विश्वास रखने वाले युवा सन्यासी थे - स्वामी विवेकानन्द। इस विश्वास को कार्यान्वित करने हेतु कार्यकर्ता निर्माण के लिए संगठन की क्रान्तिकारी योजना बनाने वाले योद्धा सन्यासी थे स्वामी जी। वे अपने ३९ वर्ष के जीवन काल में इस भारत वर्ष के युवा पीढ़ी के लिए १५०० वर्षों तक चले, ऐसी कार्य योजना दे गए। भारत माँ को फिर से सम्पन्न व समृद्ध बनाने के प्रस्तुत कार्य के लिए अपना पूरा जीवन लगाने वाले राष्ट्रभक्त सन्यासी थे - स्वामी विवेकानन्द! युवाओं के प्रेरणा स्रोत स्वामी विवेकानन्द।

१८९७ में स्वामी जी ने कहा था, "आने वाले ५० वर्ष बाकी सारे देवी-देवताओं को छोड़ केवल एक ही देवता की पूजा करो भारतमाता की। वे कहते थे, मैं तुमसे बहुत प्रेम करता हूँ इसलिए चाहता हूँ कि तुम भारत माँ के लिए अपना बलिदान करो। वे कहते थे, "मैं उस प्रत्येक को देशद्रोही समझता हूँ जो अपने देशवासियों के कष्ट पर शिक्षित हुआ और अब वह उनकी ओर तनिक भी ध्यान नहीं देता।"

जब कभी दुर्बल युवा उनके पास आकर गीता उपनिषद् की बातें करता तो स्वामी कहते - "गीता के सन्देश को समझना चाहते हो तो जाओ, पहले मैदान में जाकर फुटबाल खेलो। अर्जुन की तरह मजबूत भुजाएँ होंगी तभी तुम गीता का सन्देश समझने के योग्य हो सकोगे।"

स्वामीजी को लगता था कि प्रत्येक युवा के सामने महावीर हनुमान का आदर्श हो। वे सोचते थे कुछ तो युवा बचे शादी के बंधन से और अपना जीवन दूसरों की सेवा में अर्पित कर दें। वे कहते थे कि वही केवल जीते हैं जो दूसरों के लिए जीते हैं, शेष सभी मृतप्रायः ही हैं।

१९०१ में एक युवा हेमचन्द्र घोष ने ढाका में स्वामी जी से धर्म के बारे में चर्चा करनी चाही। स्वामी विवेकानन्द ने केवल एक वाक्य कहा और हेमचन्द्र घोष को अपने जीवन ध्येय का साक्षात्कार हुआ। स्वामी जी ने कहा था, गुलामी का कोई धर्म नहीं होता है। जाओ अपनी माँ को पहले स्वतंत्र करो। स्वामी विवेकानन्द का उत्तर उसे चुभ गया और प्रखर क्रान्तिकारी के रूप में वह उभरकर आया।

जतिन मुखर्जी, स्वामी अखण्डानन्द और भगिनी निवेदिता के माध्यम से स्वामी विवेकानन्द के पास सन्यास लेने की अपेक्षा से गए थे। स्वामी जी ने उन्हें क्रान्ति कार्य में सक्रिय होने की प्रेरणा दी और फिर उसने "बाघा जतिन" नाम से अंग्रेजों की नींद उड़ा दी।

स्वामी विवेकानन्द कहते थे, "हमारे पूर्वजों ने महान कार्य किया है, हमें और भी महान कार्य करना है।" आज हम युवाओं को सोचना है कि

मेरे जीवन का उद्देश्य क्या है? क्या रखा है मेरे नाम में? कौन-सा कार्य जो मुझे करना ही है जिससे मैं मनुष्य हूँ, यह सिद्ध होगा? स्वयं का पेट पालना और परिवार बढ़ाना, परिवार के सुख-सविधाओं की व्यवस्था करना, ये तो घोसला बनाने वाली प्रत्येक चिड़िया करती ही है।

स्वामी जी काली माँ से प्रार्थना करते थे, "माँ, मुझे मनुष्य बना दो।" वे कहते थे, "मनुष्य केवल मनुष्य ही होना चाहिए। शक्तिसम्पन्न, धैर्यवान, साहसी जो सागर को भी लांघने की क्षमता रखता हो, ऐसे मनुष्य चाहिए। ... सारी शक्ति हमारे भीतर ही है। हम जैसा सोचते हैं वैसा बन सकते हैं। आवश्यकता है अपने अन्दर के ईश्वरत्व को जगाने की।"

मुझे सोचना है, मैं युवा हूँ तो इसका क्या अर्थ है? क्यों मेरी आयु १८-४० वर्ष की है इसलिए? क्या मैं महाविद्यालय में पढ़ रहा हूँ इसलिए? नौकरी की खोज में हूँ इसलिए? या अपनी मस्ती में रहता हूँ इसलिए? युवा होने के मापदण्ड क्या हैं? युवा वह है जो भविष्य के स्वप्न देखता है और उन स्वप्नों को साकार करने के लिए काम करता है। युवा वह है जो अंधेरों में भी कूदने का साहस रखता है।

युवा वह है जो आह्वान से डरता भागता नहीं बल्कि उसका प्रत्युत्तर देने के लिए सदैव तत्पर रहता है।

युवा वह है जो अपने अस्तित्व से आस-पास के लोगों का विश्वास बढ़ाता है।

युवा वह है जो बुजुर्गों का आधार बनता है।

युवा वह है जो बिना हिसाब किये राष्ट्र के लिए स्वयं को झोंक देता है।

युवा वह है जो किसी उद्देश्य के लिए कुछ सकारात्मक, आह्वानात्मक तथा सृजनात्मक कार्य में स्वयं लग जाता है।

स्वामी विवेकानन्द को ऐसे ही युवा अपेक्षित थे जिनके स्नायु लोहे और मांसपेशियाँ फौलाद की तरह हों। जिनके हृदय सिंह के साहस से युक्त हों, नचिकेता सी श्रद्धा और पवित्रता की आग हो। जिनके मन में ईश्वर पर दृढ़निष्ठा हो, दीन-दुखियों, दरिद्रों के प्रति करुणा हो। जो भारत के कोने-कोने में जाकर मुक्ति का, समता का, सामाजिक उत्थान का, सेवा का सन्देश देंगे। आज देश के लिए मरने की नहीं अपितु जीने की आवश्यकता है।

स्वामी जी ने कहा था कि "नया भारत किसानों के हल से, ग्रामवासी के झोपड़े से, गिरी कन्दराओं और जंगलों से निकलेगा। इसी को ध्यान रखते हुए आपसे आह्वान है इस सहभागिता का कि -

आइए! इस राष्ट्रयज्ञ में तन-मन-धन की आहुति प्रदान कर अपने जीवन को सार्थक करें।

**।। वन्दे मातरम् ।।**

**- डॉ. शैलेश कुमार सिंह**
सहायक आचार्य, विधि विभाग
दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

# संकल्प

आत्मीय युवा साथियों,

स्काउटिंग एक युवा कार्यक्रम है। यह युवाओं का आह्वान करता है कि वह आयें और इसमें सम्मिलित होकर स्वयं के लिए, समाज के लिए और अपने राष्ट्र के विकास के लिए एक जिम्मेदार नागरिक की भूमिका निभाएं। स्काउटिंग एक स्वैच्छिक, गैर राजनीतिक, शैक्षिक आन्दोलन है। इमसें कोई भी व्यक्ति बिना किसी जाति, वर्ग या सम्प्रदाय के भेद-भाव के सम्मिलित हो सकता है। परन्तु इसमें प्रवेश स्काउटिंग के जनक लार्ड वेडेन पावेल द्वारा 1907 में संकल्पित लक्ष्य, सिद्धान्त और पद्धति के अनुरूप ही हो सकता है। इसमें लक्ष्य, सिद्धान्त और पद्धति वर्तमान समय में इतने प्रासंगिक है कि किसी भी राष्ट्र का वह हर जिम्मेदार व्यक्ति जो अपने समाज और राष्ट्र का हित चाहेगा, इसे अवश्य अपनायेगा। यही कारण है कि वर्तमान समय में विश्व के 162 देशों ने इसे

एक आन्दोलन के रूप में स्वीकार किया है।

दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर भी अपने यहाँ अध्ययनरत छात्र-छात्राओं एवं सम्बद्ध महाविद्यालयी छात्र-छात्राओं के लिए रोवरिंग एवं रेंजरिंग गतिविधियाँ संचालित किए हुए है। विश्वविद्यालय यह अपेक्षा करता है कि इसमें अधिक से अधिक युवा सम्मिलित होकर समाज सेवा का व्रत लेंगे। क्योंकि स्काउटिंग गतिविधियों के माध्यम से रोवर्स एवं रेंजर्स को ऐसे-ऐसे कौशलों का ज्ञान कराया जाता है, जो जीवनोपयोगी होता है। एक निपुण व राज्य पुरस्कार प्राप्त रोवर्स और रेंजर्स इस योग्य बन जाता है कि विषम से विषम परिस्थितियों में कम से कम संसाधन का प्रयोग करते हुए आनन्दमय जीवन व्यतीत कर सके और दूसरों को भी ऐसा करने के लिए प्रेरित कर सके। क्योंकि स्काउटिंग से युवाओं में नेतृत्व, आम निर्देशन एवं आत्म नियन्त्रण की क्षमता का विकास होता है। साथ ही साथ समूह में रहना, मिल-जुल कर कार्य करना, एक दूसरे से सीखना एवं एक

दूसरे का सहयोग करना रोवर्स एवं रेंजर्स का स्वाभाविक गुण बन जाता है जो समाज व राष्ट्र की सेवा के लिए प्रेरित करता रहता है।

युवाओं के प्रेरणा स्रोत स्वामी विवेकानन्द जी का कथन था कि प्रत्येक भारतवासी को ज्ञान, चरित्र और नैतिकता के शक्ति का सृजन करना चाहिए। किसी राष्ट्र का निर्माण शक्ति से होता है और यही वे शक्तियाँ है जो किसी भी राष्ट्र को ऊंचाइयों तक पहुँचा सकता है।

जिस युवा में ज्ञान, चरित्र और नैतिकता की शक्तियाँ होंगी वही गरीब व दीन दुखियों का सहायता कर सकता है। वे जहाँ-जहाँ जाते थे वहाँ-वहाँ युवाओं को आगे बढ़कर समाज सेवा व राष्ट्र उत्थान के लिए प्रेरित करते थे।

अतः सभी भारतीय युवा को स्वामी जी के आचार-विचार एवं व्यवहार से प्रेरणा लेकर यह संकल्प लेना चाहिए कि हमें भी समाज को कुछ देना है। क्योंकि समाज ने हमें भी बहुत कुछ दिया है।

# रोवर/रेंजर के आधारभूत तत्त्व

## उद्देश्य

आन्दोलन का उद्देश्य नवयुवकों के विकास में इस तरह योगदान करना है, जिससे उनकी पूर्ण शारीरिक, बौद्धिक, सामाजिक, आध्यात्मिक एवं संवेगात्मक अन्तः शक्तियों की उपलब्धि हो, ताकि वे व्यक्तिगत रूप से, जिम्मेदार नागरिकों के रूप में स्थानीय, राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय समुदायों के सदस्य के रूप में उपयोगी सिद्ध हो सकें।

## सिद्धान्त

रोवर एवं रेंजर (स्काउट एवं गाइड) आन्दोलन निम्न सिद्धान्तों पर आधारित है :

**ईश्वर के प्रति कर्तव्य :**

आध्यात्मिक सिद्धान्तों के प्रति दृढ़ता, इन्हें अभिव्यक्त करने वाले धर्म के प्रति वफादारी तथा इनसे उत्पन्न कर्त्तव्यों को स्वीकार करना।

**नोट** – 'ईश्वर' शब्द के स्थान पर इच्छानुसार 'धर्म' शब्द का प्रयोग किया जा सकता है।

**दूसरों के प्रति कर्तव्य :**

स्थानीय, राष्ट्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर शांति, समझ और सहयोग की भावना से समन्वय रखते हुए अपने देश के प्रति वफादारी।

अपने साथियों की गरिमा तथा विश्व प्रकृति की अखंडता के प्रति अभिज्ञान तथा सम्मान के साथ समाज के विकास में भागीदारी।

**स्वयं के प्रति कर्तव्य :**

स्वयं के विकास के लिए उत्तरदायित्व।

## पद्धति

स्काउट/गाइड पद्धति, निम्न पर आधारित आत्म-शिक्षा की एक प्रगतिशील प्रणाली है :

- प्रतिज्ञा तथा नियम
- स्वयं करके सीखना

- वयस्क नेतृत्व में छोटे समूहों की सदस्यता जिसमें उत्तरोत्तर अन्वेषण निहित हो तथा चारित्रिक विकास, क्षमता प्राप्ति, आत्मविश्वास, विश्वसनीयता तथा नेतृत्व करने एवं सहयोग करने की योग्यता की दिशा में प्रशिक्षण एवं स्व-शासन के प्रति सम्माान एवं उत्तरदायित्व की स्वीकृति हो।
- प्रतिभागियों की रुचियों पर आधारित विभिन्न गतिविधियों के प्रगतिशील तथा प्रेरक कार्यक्रम जिनके अन्तर्गत खेल, उपयोगी कौशल तथा सामुदायिक सेवा है जो ज्यादातर वाह्य वातावरण में प्रकृति के सम्पर्क में हो।

## प्रतीक चिन्ह

रोवर एवं रेंजर का प्रतीक 'त्रिदल कमल' (फ्लूर-डी-लिस) है, जिसमें गाइड चिन्ह 'त्रिदल' (ट्रि-फाइल) प्रत्यारोपित है तथा त्रिदल के केन्द्र में अशोक चक्र है। लाल रंग जीवन्तता को इंगित करता है। प्रतीक की लम्बाई और चौड़ाई का अनुपात 3:2 होगा।

**'त्रिदल कमल'** (फ्लूर-डी-लिस) रोवर विभाग का प्रतिरूप है।

**'त्रिदल'** (ट्रि-फाइल) रेंजर विभाग का प्रतिरूप है।

**'अशोक चक्र'** भारत का प्रतिरूप है।

आड़ी पट्टी विश्व बंधुत्व का प्रतिरूप है।

**भारत स्काउट्स एवं गाइड्स ध्वज :**

भारत स्काउट एवं गाइड ध्वज गहरे नीले रंग का होगा जिसके मध्य में पीले रंग के प्रतीक (एम्ब्लम) में नीले रंग का अशोक चक्र होगा। ध्वज की लम्बाई 180 से.मी. तथा चौड़ाई 120 से.मी. तथा एम्ब्लम की लम्बाई 45 से.मी. तथा चौड़ाई 30 से.मी. होगी।

**ग्रुप ध्वज :**

ग्रुप ध्वज ठीक उपर जैसा आकार में 120 से.मी. लम्बा तथा 80 से.मी. चौड़ा होगा। प्रतीक (एम्ब्लम) 30 से.मी. x 20 से.मी. होगा। ग्रुप का नाम प्रतीक के नीचे सीधी रेखा में तथा राज्य का नाम ग्रुप के नाम पीले रंग में लिखा होगा।

स्काउट्स एवं गाइड्स, राष्ट्रीय ध्वज, भारत स्काउट्स एवं गाइड्स ध्वज, विश्व स्काउट ध्वज, विश्व गाइड ध्वज, ग्रुप ध्वज तथा टोली ध्वज का उपयोर कर सकते हैं।

जब राष्ट्रीय ध्वज तथा भारत स्काउट्स एवं गाइड्स ध्वज एक साथ फहराना हो तब भारत स्काउट्स एवं गाइड्स ध्वज राष्ट्रीय ध्वज से कुछ नीचा तथा उसकी बायीं ओर फहराया जाये। जब ग्रुप ध्वज फहराया जाये तो उसे उसे गुप द्वारा अलग से फहराया जाये।

टोली ध्वज सफेद रंग का तिकोने आकार का होगा और उसमें लाल रंग का टोली प्रतीक होगा। इस ध्वज का आधार 20 से.मी. लम्बा तथा भुजाएं 30 से.मी. लम्बी होंगी। इसे टोली नायक लेकर चल सकता है।

ध्वज के प्रति हर समय सम्मानजनक व्यवहार किया जाये।

ध्वज स्तम्भ को दाहिने कंधे पर ढलवा अवस्था में रखा जायेगा और ध्वज उसके साथ सिमटा रहेगा। मार्चपास्ट के समय इसे सीधे खड़ी स्थिति में रखना

चाहिये तथा इसे इस तरह पकड़ा जायेगा कि ध्वज मुक्तरूप से लहराये तथा इसका लहराने वाला सिरा दायें हाथ में पकड़ा जाये। सैल्यूटिंग बेसर पर स्वतंत्र लहराना चाहिए

भारत स्काउट्स एवं गाइड्स ध्वज भारतीय गणराज्य के राष्ट्रपति के प्रति झुकाया जायेगा। राष्ट्रपति के उपस्थिति के अतिरिक्त इसे उस समय झुकाया जायेगा जब राष्ट्रीय धुन बजाई जाये। भारत स्काउट्स एवं गाइड्स ध्वज या ग्रुप ध्वज भारत स्काउट्स एवं गाइड्स के अध्यक्ष या राष्ट्रीय आयुक्त के प्रति झुकाया जा सकता है।

## रोवर्स एवं रेंजर्स की महत्ता

रोवर/रेंजर प्रभाग में सम्पन्न होने वाले आदर्श कार्यक्रम निर्माण में निम्नलिखित प्रेरणा तत्व स्वीार किए गए हैं, रोवर/रेंजर कार्यक्रम को पूरा कर लेने तक कोई भी युवा/युवती -

1. स्काउटिंग को अपनी जीवन प्रणाली बना लेगा/लेगी।
2. सक्रिय और सहभागी नागरिक बन सकेगा/सकेगी।

3. दूसरों के लिए उपयोगी बनने और आत्म-निर्भर बनने के कौशलों (व्यावसायिक व अन्य) को समृद्ध बना सकेगा/सकेगी।
4. ऐसा व्यावहारिक आदमी बनकर उभर सकेगा जिसमें अपने प्रति व अन्य लोगों और उनके अनुभवों के प्रति सम्मान का भाव हो।
5. यह अनुभव कर सकेगा/सकेगी कि अपने समुदाय के विकास में उसका दायित्व है और सामुदायिक विकास की परियोजनाओं को व्यक्तिगत एवं सामूहिक रूप से हाथ में ले सकेगा/सकेगी।
6. ईश्वर और मनुष्य की सेवा में रत रहकर विशुद्ध धार्मिक जीवन बिता सकेगा/सकेगी।
7. पारस्परिक समझ और पूर्ण सामंजस्यपूर्ण मधुर जीवन बिता सकेगा/सकेगी।
8. सार्वजनिक सम्पत्ति की रक्षार्थ पूर्ण प्रयत्न कर सकेगा/सकेगी।
9. स्वयं को अपने देश के प्रति कर्त्तव्य पालन करने के लिए तैयार कर सकेगा/सकेगी और विश्वबन्धुत्व के

प्रति प्रेम विकसित कर सकेगा/सकेगी अर्थात् मानव जाति में सद्भावना व शान्ति का प्रसार कर सकेगा/सकेगी।

10. रोवरिंग के कौशलों का पूर्ण प्रयोग करते हुए दूसरों के लिए यथेष्ट खतरा मोल लेने की निश्चित अभिवृति अपना सकेगा/सकेगी।
11. मानवी मूल्यों के प्रति श्रद्धा रखते हुए अपनी राष्ट्रीय विरासत और संस्कृति की रक्षा के लिए कार्य कर सकेगा/सकेगी।
12. राष्ट्रीय एकता, जनसंख्या शिक्षण, पर्यावरण संरक्षण, साक्षरता, कुष्ठ नियन्त्रण और स्वच्छता प्रबन्ध जैसी राष्ट्रीय प्राथमिकताओं से सम्बन्धित विकासात्मक प्रवृत्तियों में भाग ले सकेगा/सकेगी और उन्हें आगे बढ़ाने में हाथ बटा सकेगा/सकेगी।
13. ऐसा कूटनीतिज्ञ नेता बन सकेगा/सकेगी जो अपने दल को साथ लेकर ऊपर उठे।
14. सामान्य विश्व समस्याओं की समुचित समझ रख सकेगा/सकेगी।

# रोवर एवं रेंजर की क्रमानुसार वृद्धि

रोवर/रेंजर के जीवन के प्रगति करने के लिए तीन पड़ाव (स्तर) होते हैं :

(क) आकांक्षी रोवर/रेंजर, (ख) रोवर/रेंजर, (ग) सेवारत रोवर/रेंजर

1. एक आकांक्षी को 15 वर्ष की आयु पूर्ण कर लेने एवं तीन माह आकांक्षी रोवर/रेंजर के रूप में कार्य करने पर प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण होने के बाद रोवर/रेंजर के रूप में दीक्षा दी जा सकती है। प्रवेश रोवर/रेंजर 'निपुण रोवर/रेंजर' बनने के योग्य होगा।
2. प्रवेश रोवर/रेंजर को निपुण रोवर/रेंजर बनने के लिए कम से कम 6 माह तक कार्य करना होगा। निुपण रोवर/रेंजर राज्य पुरस्कार 'रोवर/रेंजर' बनने के लिए योग्य होगा।
3. निपुण रोवर/रेंजर को राज्य पुरस्कार रोवर/रेंजर बनने के लिए कम से कम 9 माह तक कार्य करना होगा। राज्य पुरस्कार रोवर/रेंजर 'राष्ट्रपति

रोवर/रेंजर' बनने के लिए योग्य होगा।

4. राज्य पुरस्कार प्राप्त रोवर/रेंजर को राष्ट्रपति रोवर/रेंजर अवार्ड प्राप्त करने के लिए कम से कम एक वर्ष तक कार्य करना होगा।
5. राष्ट्रपति रोवर/रेंजर अवार्ड प्राप्त कर लेने के बाद अन्य दक्षता के पदकों की तैयारी जारी रखी जा सकती है।
6. रोवर/रेंजर स्तर को पूर्ण कर लेने पर रोवर/रेंजर समाज अथवा इस आन्दोलन की सेवा करने में लग जाएगा।

---

*'विवेकानन्द वह सेतु है जिस पर प्राचीन एवं नवीन भारत परस्पर आलिंगन करते हैं। विवेकानन्द वह समुद्र हैं जिसमें धर्म एवं राजनीति, राष्ट्रीयता और अन्तर्राष्ट्रीयता तथा उपनिषद और विज्ञान सब समाहित हैं।'*

# शिविर दिनचर्या

- Rouse (Greeting Ready)
- Tea
- B.P. Six/Shramdan/service
- Break fast
- Inspection followed by flag
- Session
- Tea Break
- Session
- Duty Change
- S.T.A.
- Session
- Skill work/Group work
- Tea Break
- Game/Assignment
- Break
- Sing Song/Campfire/Session
- Dinner
- C.O.H.
- Light out

# कृपया ध्यान दें

- रोवर्स/रेंजर्स कष्ट तथा त्याग का मार्ग है।
- इसमें आवश्यकतानुसार दीर्घकाल तक असाध्य जीवन बीताना पड़ सकता है।
- यह पिकनिक मनाने का साधन नहीं है।
- इसमें सामान्य स्तर का ही खाद्य अथवा पेय उपलब्ध होता है।
- इसमें जातिगत भेदभाव, ऊँच-नीच, साम्प्रदायिकता जैसा कोई भी विचार सहन नहीं होगा। वस्तुतः इन भावों को विनष्ट करके एक सहज सामुदायिक जीवन का सृजन करना ही इसका उद्देश्य है।
- अनुशासन भंग के किसी भी प्रमाण पर आपको सदस्यता से वंचित कर दिया जायेगा।
- किसी भी वाद-विवाद पर क्रू/टीम लीडर का निर्णय अन्तिम होगा।
- प्रत्येक कार्यक्रम के समय पर आपकी उपस्थिति अनिवार्य है। निर्धारित अवधि तक कार्य पूरा न करने पर किसी भी प्रकार का प्रमाण-पत्र देय नहीं होगा।

# क्रिया–कलापों का विवरण

ह. अधिकारी

# क्रिया–कलापों का विवरण

ह. अधिकारी

# प्रमुख तिथियाँ

| क्रम सं. | माह | कार्यक्रम |
|---|---|---|
| 1. | जुलाई | स्कूल चलो अभियान में योगदान, विद्यालयों में प्रवेश के समय अनुशासन बनाने व अभिभावकों को आवश्यक सुविधा उपलब्ध कराने में योगदान प्रदान करना। 11 जुलाई - विश्व जनसंख्या दिवस, 24 जुलाई - ए. पी.आर. स्थापना दिवस। |
| 2. | अगस्त | 11 अगस्त - पं. श्री राम बाजपेई का जन्म दिवस। 15 अगस्त - स्वतंत्रता दिवस, 20 अगस्त - सद्भावना दिवस। |
| 3. | सितम्बर | 3 सितम्बर - शीतलाखेत दिवस, 5 सितम्बर - शिक्षक दिवस, 8 सितम्बर - विश्व साक्षरता दिवस, 10 सितम्बर - पंचमढ़ी दिवस, 16 सितम्बर - अंतर्राष्ट्रीय शांति दिवस, 18 सितम्बर - ओजोन दिवस, 30 सितम्बर - अंतर्राष्ट्रीय वयोवृद्ध दिवस। |
| 4. | अक्टूबर | 2 अक्टूबर - गांधी जयन्ती एवं राष्ट्रीय एकता दिवस, 7 अक्टूबर - राष्ट्रीय पुर्नवास दिवस, 12 अक्टूबर - यू.एन.ओ. दिवस तथा राष्ट्रीय आपदा निवारण दिवस, 14 अक्टूबर - विश्व खाद्य दिवस |

| | | |
|---|---|---|
| 5. | नवम्बर | 7 नवम्बर - भारत स्काउट/गाइड स्थापना दिवस एवं रेलवे/यातायात सेवा दिवस, 14 नवम्बर - बाल दिवस। |
| 6. | दिसम्बर | 1 दिसम्बर - विश्व एड्स दिवस, 3 दिसम्बर - विश्व संरक्षण दिवस, विकलांग दिवस, पीढ़ा निवारण दिवस, 5 दिसम्बर - अन्तर्राष्ट्रीय स्वयं सेवक दिवस, 10 दिसम्बर - मानवाधिकार दिवस, 25 दिसम्बर - पं. मदन मोहन मालवीय जन्म दिवस। |
| 7. | जनवरी | 12 जनवरी - यूथ डे, 26 जनवरी - गणतंत्र दिवस, 30 जनवरी - एन्टीलेप्रोसी डे। |
| 8. | फरवरी | 22 फरवरी - चिंतन दिवस, विश्व स्काउट दिवस। |
| 9. | मार्च | 8 मार्च - विश्व महिला दिवस। |
| 10. | अप्रैल | 7 अप्रैल-विश्व स्वास्थ्य दिवस, 22 अप्रैल-भू दिवस। |
| 11. | मई | 8 मई - विश्व रेडक्रास दिवस, 15 मई - एन्टी ड्रग एण्ड एन्टी स्मोकिंग दिवस। |
| 12. | जून | 5 जून - विश्व पर्यावरण दिवस, 10 जून - भूगर्भ जल दिवस, 26 जून - मादक पदार्थ निषेध दिवस, 30 जून - विश्व वन दिवस। |

# सद्भावना गीत

हर देश में तू हर भेष में तू,
तेरे नाम अनेक, तू एक ही है।।
तेरी रंग भूमि, यह विश्व भरा।
सब खेल में मेल में तू ही तू है।।

सागर से उठा बादल बनके,
बादल से फूटा जल हो करके
फिर नहर बना नदियाँ गहरी
तेरे भिन्न प्रकार तू एक ही है।

चींटी से भी अणु परमाणु बना,
सब जीव जगत का रूप लिया।
कहीं पर्वत वृक्ष विशाल बना।
सौंदर्य तेरा तू एक ही है।

यह दिव्य दिखाया है जिसने,
वह है गुरू देव की पूर्ण दया।
तुकड़या कहे और न कोई दिखा
बस मैं और तू सब एक ही है।

# भोजन मंत्र

हे मातृभूमि, हे जगदीश्वर
भोजन से पूर्व प्रणाम तुम्हें
इस भोजन से बल, बुद्धि बढ़े
दे दो ऐसा वरदान हमें।
हे मातृभूमि . . .

❖❖❖

ॐ सहनाववतु, सहनौभुनक्तु,
सहवीर्यं करवावहै, तेजस्विनावधीतमस्तु
मा विद् विविसावहै,
ॐ शांतिः शांतिः शांतिः।।

# CAMP FIRE OPENING

1. Come, Come light up the fire
   Come, Come join in the ring
   Here, find dreams to inspire
   Stories to tell Music to sing.

2. Aag hui hei roshan Aao
   Aao Aag ke Pass (2)
   Aag se roshan apti hasti (2)
   Kaisi Bulandi Kaisi Masti (2)
   Ranjoalam ko bhulo bhulao
   Aao aag ke pass (Chorous)
   Suraj duba nakale tare (2)
   Khatam haui sub kam hamare (2)
   Milkar bhag jagao Aao
   Aao aag ke pass (Chorous)

3. Campfire's burning (2)
   Draw nearer draw nearer
   In the glooming in the glooming
   Come sing and be merry.

# CAMP FIRE CLOSING SONG

Softly at the close of day
As the campfire fades away
Silently each guide should ask
Have I done my daily task
Have I kept my Honour bright
Can I guilt less have sleep to night
Have I done and have I dared
Everything to he prepared.

---

*Strengthen is*
*Life;*
*Weakness is*
*Death.*

*- Vivekanand*

# भारत स्काउट / गाइड झण्डा गीत

भारत स्काउट गाइड झण्डा ऊँचा सदा रहेगा।
ऊँचा सदा रहेगा, झण्डा ऊँचा सदा रहेगा।।

नीला रंग गगन सा विस्तृत,
भ्रातृ भाव फैलाता।
त्रिदल कमल नित तीन,
प्रतिज्ञाओं की याद दिलाता।।
और चक्र कहता है प्रतिपल
आगे कदम बढ़ेगा।।

ऊँचा सदा रहेगा, झण्डा ऊँचा सदा रहेगा।।
भारत स्काउट गाइड झण्डा ऊँचा सदा रहेगा।

समय - 45 सेकेण्ड

**रचयिता - दयाशंकर भट्ट**

## प्रतिज्ञा

मैं मर्यादापूर्वक प्रतिज्ञा करता/करती हूँ कि मैं यथाशक्ति ईश्वर और अपने देश के प्रति अपने कर्त्तव्य का पालन करूंगा/करूंगी, दूसरों की सहायता करूंगा/करूंगी, और रोवर/रेंजर (स्काउट एवं गाइड) नियम का पालन करूंगा/करूंगी।

नोट :

1. 'ईश्वर' शब्द के स्थान पर इच्छानुसार 'धर्म' शब्द का प्रयोग किया जा सकता है।
2. प्रतिज्ञा दीक्षा के अवसर पर ली जायेगी तथा वे रोवर या रेंजर जो पहले से ही स्काउट या गाइड रहे हों, इस अवसर पर प्रतिज्ञा की पुनः पुष्टि करेंगे।

## नियम

1. रोवर (स्काउट)/रेंजर (गाइड) विश्वसनीय होता/होती है।
2. रोवर (स्काउट)/रेंजर (गाइड) वफादार होता/होती है।
3. रोवर (स्काउट)/रेंजर (गाइड) सबका मित्र एवं प्रत्येक दूसरे रोवर/रेंजर का भाई/बहन होता/होती है।
4. रोवर (स्काउट)/रेंजर (गाइड) विनम्र होता/होती है।
5. रोवर (स्काउट)/रेंजर (गाइड) पशु-पक्षियों का मित्र और प्रकृति-प्रेमी होता/होती है।
6. रोवर (स्काउट)/रेंजर (गाइड) अनुशासनशील होता/होती है और सार्वजनिक सम्पत्ति की रक्षा करने में सहायता करता/करती है।
7. रोवर (स्काउट)/रेंजर (गाइड) साहसी होता/होती है।
8. रोवर (स्काउट)/रेंजर (गाइड) मितव्ययी होता/होती है।
9. रोवर (स्काउट)/रेंजर (गाइड) मन, वचन और कर्म से शुद्ध होता/होती है।

# रोवर्स एवं रेंजर्स प्रार्थना

दया कर दान भक्ति का, हमें परमात्मा देना।
दया करना हमारी, आत्मा में शुद्धता देना।।

हमारे ध्यान में आओ, प्रभु आँखों में बस जाओ।
अंधेरे दिल में आकर के, परम ज्योति जगा देना।।

बहा दो प्रेम की गंगा, दिलों में प्रेम का सागर।
हमें आपस में मिलजुल कर, प्रभु रहना सीखा देना।।

हमारा कर्म हो सेवा, हमारा धर्म हो सेवा।
सदा ईमान हो सेवा, व सेवक चर बना देना।।

वतन के वास्ते जीना, वतन के वास्ते मरना।
वतन पर जां फिदा करना, प्रभु हमको सीखा देना।।

दया कर दान भक्ति का, हमें परमात्मा देना।
दया करना हमारी, आत्मा में शुद्धता देना।।